अनुक्रम

खण्ड-1 : सृजन के आयाम

फागुन की धूप-जैसे भारती/विद्यानिवास मिश्र 15
हम यहाँ हैं—भारती/राजेन्द्र यादव 21
भारती की सृजन-यात्रा/बिशन नारायण टण्डन 24
रचना-संवेदना का विस्फोटक नयापन/कृष्णदत्त पालीवाल 39
एक अलग रचनात्मक तेवर/विजयबहादुर सिंह 47
ईमानदार और निर्भीक लेखन/नरेन्द्र कोहली 57
विशिष्ट का कोई विकल्प नहीं/विनय 67
धर्मवीर भारती का मृत्युबोध : एक मृत्युंजयी रूपान्तरण/सी.एल.प्रभात 71
वैष्णवी प्रणयानुभूति से पौराणिक समकालीनता तक/रामकमल राय 80

खण्ड-2 : कहानी

मुक्त करुणा से आप्लावित कहानियाँ/निर्मल वर्मा 93
भारती की कहानियाँ/नासिरा शर्मा 98
स्वर्ग और पृथ्वी/रामस्वरूप चतुर्वेदी 112
विश्वास-भरे संकल्प और संघर्षशील क्षमता की कहानियाँ/सुरेश सिनहा 118
धर्मवीर भारती की कहानियाँ/चन्द्रभानु सोनवणे 126
कथाकार भारती और 'बन्द गली का आख़िरी मकान'/विवेकी राय 157
यथार्थ के रूप : सौन्दर्यात्मक सन्तृप्ति की समस्या/लक्ष्मीकान्त वर्मा 165

खण्ड-3 : उपन्यास

'गुनाहों का देवता' : हिन्दी उपन्यासों के साथ/राजेन्द्र यादव 173
साहित्य-मन्दिर में 'गुनाहों का देवता'/रामस्वरूप चतुर्वेदी 187
लोकप्रियता का प्रतिमान : 'गुनाहों का देवता'/विवेकी राय 193
जीवन के प्रति अडिग आस्था/'अज्ञेय' 205
एक नवीन कथा-प्रयोग : 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'/गिरिजाकुमार माथुर 208
एक मुँहजोर घोड़ा और सूरज का रोशन गोला/देवेन्द्र इस्सर 213
प्रेम एक माध्यम/रणधीर सिनहा 223
सचमुच बहुत तेजस्वी है 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'/राजकुमार गौतम 228

खण्ड-4 : कविता

जीवन्त परम्परा और सशक्त नवीनता का उज्ज्वल उन्मेष/
चन्द्रकान्त बान्दिवडेकर 237
भारती की कविता/रामजी तिवारी 257
दृष्टि-वैशिष्ट्य का यथार्थवादी कवि/विजेन्द्रनारायण सिंह 270
टूटे चक्र के सारथी : भारती/अरविन्द त्रिपाठी 282
धर्मवीर भारती की काव्य-भाषा/पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' 290
'ठण्डा लोहा' : स्फूर्ति और उदासी की कविताएँ/विश्वम्भर मानव 309
'ठण्डा लोहा'/गंगाप्रसाद मिश्र 315
'ठण्डा लोहा' तथा अन्य रचनाएँ/ब्रजमोहन शर्मा 320
अर्थपूर्ण और विशिष्ट 'सात गीत वर्ष'/रेवती रमण 327
मानवीय यातना का विधान : प्रमथ्यु-गाथा/नरेन्द्र वशिष्ठ 334
पके अनुभवों में आत्म-मन्थन की शक्ति का प्रकाश/कृष्णदत्त पालीवाल 341
शेष हैं स्वप्न/रमा सिंह 349
क़ायम युद्ध का संकल्प अभी भी/शतानन्द श्रोत्रिय 356
'कनुप्रिया' : एक नास्तिक वैष्णव की राधा/माखनलाल चतुर्वेदी 360
राग-सम्बन्धों की वैचारिक पृष्ठभूमि/'अज्ञेय' 369
भारती की 'कनुप्रिया'/कुमार विमल 373
नयी कविता की एक अन्यतम उपलब्धि/कृष्णनन्दन पीयूष 387
आधुनिक काव्य की विशिष्ट उपलब्धि : 'कनुप्रिया'/महेन्द्र कार्तिकेय 397
राधा का स्वरूप : रंग धर्मवीर भारती के/कैलाश जोशी 404
'कनुप्रिया' : दर्शन बनाम दृष्टि/जितेन्द्र सेठी 411
कलात्मक अभिव्यक्ति/राममूर्ति त्रिपाठी 420
पुरानी कथा और नयी संवेदना/रघुवंश 427

खण्ड-5 : अन्धायुग

'अन्धायुग' : कालविद्ध और कालातीत रचना/चन्द्रकान्त बान्दिवडेकर 439
मूल्यवान और महत्त्वपूर्ण प्रयास/गजानन माधव मुक्तिबोध 447
कथा ज्योति की अन्धों के माध्यम से/रामस्वरूप चतुर्वेदी 451
पहला पूर्ण गीति-नाट्य 'अन्धायुग'/बच्चनसिंह 460
'अन्धायुग' : एक मूल्यांकन/मुद्राराक्षस 467
भीतर का महाभारत और 'अन्धायुग'/प्रभाकर श्रोत्रिय 474
मानवीय मूल्यों का संघर्ष/कमलेश जे. त्रिवेदी 485
वस्तु-योजना और रंग-विधान की पारस्परिक विसंगति/सुरेश अवस्थी 490

भारती का रंग-विवेक/जयदेव तनेजा 497
'कनुप्रिया' और 'अन्धायुग'/रामदरश मिश्र 506
आधुनिकता के संकट में आस्था के बीज/कल्याणमल लोढ़ा 515
पुराकथाओं के आधुनिक सन्दर्भ/देवेन्द्र शर्मा 'इन्द्र' 523
'अन्धायुग' : एक प्रस्तुति मन में, तीन मंच पर/अरविन्द कुमार 534

खण्ड-6 : विविधा

रचनाकार की भावुक विचारशीलता/जयदेव तनेजा 549
यथार्थ को अनावृत देखने की क्षमता : नदी प्यासी थी/
गिरिजाकुमार माथुर 556
हिन्दी का यात्रावृत्तान्त-साहित्य और धर्मवीर भारती का प्रदेय/हरिमोहन 562
समाज, संस्कृति और साहित्य की प्रच्छन्न यात्रा/आलोक श्रीवास्तव 570
भारती का समीक्षा-चिन्तन/पवन कुमार मिश्र 576
धर्मवीर भारती के निबन्ध/विश्वनाथ प्रसाद 586
'ठेले पर हिमालय' और 'पश्यन्ती'/हुकुमचन्द राजपाल 594
सांस्कृतिक राष्ट्रीयता के प्रखर उद्‌गार/चन्द्रकान्त बान्दिवडेकर 620
'सिद्ध-साहित्य'/पृथ्वीनाथ शास्त्री 632

खण्ड-7 : पत्रकारिता

यशस्वी पत्रकार धर्मवीर भारती/रामविलास शर्मा 637
भारती की पत्रकारिता विषयक कृती भूमिका/कृष्णबिहारी मिश्र 644
निष्ठा और सहृदयता का मणिकांचन संयोग/विष्णुकान्त शास्त्री 657
पत्रकार धर्मवीर भारती/प्रदीप पन्त 667

खण्ड-8 : परिशिष्ट
(धर्मवीर भारती के नौ निबन्ध)

नयी कविता और दायित्व की आन्तरिकता 681
उपन्यास और आत्मान्वेषण 686
जब 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' लिखा गया 695
दृष्टि वह जो मार खा रोयी नहीं 699
'अन्धायुग' कब कैसे लिखा गया 702
हिन्दी नाट्य-लेखन : कुछ समस्याएँ 713
अश्वत्थामा—एक घृणा : अनेक आयाम 724
समकालीन पत्रकारिता : मोड़-दर-मोड़ 728
मेरे लेखन का सम्बल 740
डॉ. धर्मवीर भारती : संक्षिप्त जीवन-परिचय 744